

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 669

दिनांक 03 फरवरी, 2026

मौजूदा स्थानीय किस्मों को बेहतर बनाने के लिए अनुसंधान

669. श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावा:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में पारंपरिक कृषि उपज के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सरकार द्वारा उठाए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार का मौजूदा स्थानीय कृषि किस्मों एवं बीजों के सुधार हेतु अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहित करने का प्रस्ताव है; और
- (ग) यदि हाँ, तो इस संबंध में उठाए जा रहे कदमों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

**कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)**

(क) से (ग) : भाकृअनुप-राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एनबीपीजीआर) जर्मप्लाज्म संरक्षण के लिए नोडल संगठन है। इसके नेशनल जीनबैंक में स्थानीय वंशावली (लैंडरेसेस) और पारंपरिक किस्मों हैं। इसके पास वर्तमान में 85633 वंशावलियां और 14515 पारंपरिक कल्टीवर्स अर्थात् क्रमशः कृषि वानिकी के 208 और 153, अनाजों के 13690 और 7776, रेशा फसलों के 244 और 123, चारा फसलों के 1563 और 48, फलों और नट्स के 7 और 6, ग्रेन लेग्यूम के 10873 और 1690, औषधीय एवं सगंधीय पौधों के 1200 और 489, मिलेट के 16496 और 776, तिलहन के 32267 और 1577, सजावटी पादपों के 15 और 14, स्यूडोसेरेल्स के 1676 और 400, मसाले कांडीमेंट्स और फ्लेवर के 1200 और 213 तथा सब्जियों के 1250 और 6194 सहित वर्तमान में 2147 प्रजातियों के 4.74 लाख एक्सेशन हैं।

आईसीएआर-एनबीपीजीआर जर्मप्लाज्म संग्रहण, जिसमें पारंपरिक किस्में और वंशावलियां भी शामिल हैं, का लक्षण वर्णन/मूल्यांकन कर रहा है; और इसकी सूचना पादप प्रजनकों के साथ साझा किया जाता है। पारंपरिक किस्मों को बढ़ावा दिया जाता है और विशेष लक्षणों वाली पारंपरिक किस्मों का प्रयोग विभिन्न फसलों में फसल सुधार कार्यक्रमों में किया जाता है। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं (AICRP) में विभिन्न फसलों पर आधार सामग्री के रूप में पारंपरिक किस्मों सहित स्थानीय किस्मों/ जर्मप्लाज्म का प्रयोग किया जाता है ताकि सुपिरियर एग्रोनोमिक्स ट्रेट्स के इंटीग्रेशन द्वारा नए कल्टीवर्स विकसित किया जा सके। अब तक, 26 फसलों अर्थात चावल, मक्का, कुलथी, अलसी, भारतीय सरसों, अरहर इत्यादि में कुल 509 किस्मों का विकास लक्षण विशिष्ट जर्मप्लाज्म का उपयोग करके किया गया है जिसमें पारंपरिक कल्टीवर भी शामिल हैं।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और पोषण मिशन (NFSNM) के तहत भारत सरकार (GoI) के पास “पारंपरिक किस्मों के बीज उत्पादन के वर्धन” हेतु हस्तक्षेप के माध्यम से सहयोग का एक घटक है। इसमें शामिल हैं - उत्पादन प्रोत्साहन, बीज वितरण में सहायता, क्षमता निर्माण हेतु सहायता (सामान्य राज्यों में भारत सरकार का अंश 60% तथा राज्य का अंश 40% तथा उत्तर-पूर्वी एवं पहाड़ी राज्यों में भारत सरकार का अंश 90% तथा राज्य का अंश 10%), बीज बैंक की स्थापना हेतु सहायता (भारत सरकार का अंश 100%)। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के कृषि विभाग, राज्य बीज निगम और राज्य कृषि विश्वविद्यालय, भाकृअनुप-संस्थान, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय या राष्ट्रीय बीज निगम (एनएससी) या अन्य राष्ट्रीय स्तर की एजेंसियां इस घटक की कार्यान्वयन एजेंसी हैं। ओडिशा सरकार द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में ओडिशा मिलेट मिशन के तहत पारंपरिक किस्मों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस मिशन में मिलेट उत्पादन और खपत को बढ़ाना, पोषण सुरक्षा में सुधार, मिलेट उद्यमों के विकेंद्रीकरण में सहायता और सार्वजनिक पोषण योजना में संस्थागत मिलेट समेकन शामिल हैं।

सरकार ने पादप किस्म और किसान अधिकार संरक्षण (पीपीवीएफआर) अधिनियम 2001 लागू किया है जो वैश्विक स्तर पर प्रथम पहल है जिसमें किसानों को अपनी पारंपरिक किस्मों के संरक्षण के लिए अधिकार दिया गया है। इसकी स्थापना से, पादप किस्म एवं किसान अधिकार संरक्षण प्राधिकरण ने 5241 किसान किस्मों को पंजीकृत किया है जिसमें वंशक्रम और पारंपरिक किस्में शामिल हैं। इसके साथ ही किसान किस्मों, वंशक्रमों और पारंपरिक किस्मों के संरक्षण में शामिल किसानों और समुदायों को पीपीवीएफआर नियमावली (2012 और 2018) के अनुसार पुरस्कृत/रिवार्डिड/सम्मानित किया गया जिसमें पादप जीनोम सेवियर समुदाय पुरस्कार, पादप जीनोम सेवियर किसान पुरस्कार तथा पादप जीनोम सेवियर सम्मान शामिल हैं। अब तक विभिन्न राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के किसानों/किसान समुदायों को 45 पादप जीनोम सेवियर समुदाय पुरस्कार, 69 पादप जीनोम सेवियर किसान रिवाड तथा 88 पादप जीनोम सेवियर किसान सम्मान प्रदान किए जा चुके हैं। पीपीवीएफआर नियमावली 2025 के तहत पारंपरिक किस्मों के संरक्षण के लिए वित्तीय सहायता का भी प्रावधान किया गया है।
